

अपील 1548-II-15

माननीय न्यायालय राजस्व मण्डल म. प्र. ग्वालियर, केम्प उज्जैन  
प. क्र.

श्री किरण लुनेजा  
दिनांक 4-6-15  
अधीक्षक  
आयुक्त कार्यालय  
उज्जैन

1. शकुन्तला पतिन हेमसिंह जी पिता मुरलीसिंह जी  
जाति राजपूत, निवासी दर्जीपाडा जेतलमेर ॥ राज ॥
2. राजेन्द्रसिंह पिता/दत्तक पुत्र मुहलीसिंह जी  
जाति राजपूत, निवासी दर्जीपाडा जेतलमेर ॥ राज ॥

विरुद्ध

1. शम्भूसिंह परिवार पिता मंगलसिंह जी राजपूत  
निवासी- तरदार मोहल्ला नीमघसिटी
2. छुमानसिंह परिवार पिता मंगलसिंह जी जाति राजपूत  
निवासी तरदार मोहल्ला नीमघसिटी, जिला नीमघ
3. श्रीमति रेखा दक पति डा. रमेश दक,  
निवासी- विकास नगर 14/3 नीमघ, जिला नीमघ

अपील अंतर्गत धारा 44(3) म. प्र. भू. राजस्व संहिता 1959

मान्यवर महोदय,

सेवा में अपीलानुसंगी की ओर से यह अपील अधिनस्थ  
न्यायालय अमर आयुक्त महोदय उज्जैन, तमभाग उज्जैन द्वारा पारित दिनांक 20.04.15 के क्रमांक 645/अपील/2011-12 से अस्तित्व होकर श्रीमान के न्यायालय में निम्नानुसार प्रस्तुत है:-

*(Handwritten signature)*

*(Handwritten notes and signature)*  
अधीक्षक  
आयुक्त कार्यालय  
उज्जैन  
8/6/15

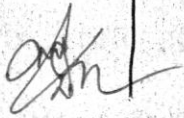
15.6.15


A.1548-Mul/15 (नीमन्)

17.8.2017

~~अ. 3. 1. 1~~  
अ. 3. 1. 1

आवेदकगण की ओर से की गई  
उपाधिवत नहीं। इस अध्याय में  
यह निगलनी अथवा आग्रह का  
द्वितीय अधीन में प्राप्त आदेश  
दिनांक 20.4.2015 के विषय प्रस्तुत  
की गई है, जो कि तीसरी अधीन  
प्र. प्र. म. राजस्व संहिता 1959 की  
धारा 54 के अन्तर्गत तीसरी  
अधीन ग्राह्य अधीन नहीं होना  
आग्रह की जाती है।



  
अध्यक्ष